कम उम्र में बीमा लेना फायदेमंद

आज जीवन बीमा प्रत्येक व्यक्ति व उसके परिवार के लिए अति आवश्यक बन गया है। हर व्यक्ति को अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों और अपनी इनकम के अनुसार बीमा लेना चाहिए। इस विषय में एक्सपर्ट की सलाह से आप जीवन बीमा के छोटे–छोटे पहलुओं के बारे में जान सकेंगे।

RM VISHAKHA
Insurance expert

आरएम विशाखा कैनरा एचएसबीसी ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के सेल्स एंड मार्केटिंग की डायरेक्टर हैं।

मैंने सुना है कि जीवन बीमा लेने से पहले नीड एनालिसिस कर लेना चाहिए। यह क्या है?

▪ अमृता शर्मा

नीड एनालिसिस यानी आपके लिए क्या सही है, इसका चयन करना। इसमें रिटायरमेंट, भविष्य में बच्चों की पढ़ाई का खर्च और परिवार के लिए बीमा आदि शामिल होते हैं। ये नीड्स प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से बदलती रहती हैं। इस तरह नीड एनालिसिस यह बताता है कि आपकी जरूरतों के हिसाब से कौन-सी पॉलिसी आपको सूट करती है।

मुझे कितने वर्षों के लिए कोई पॉलिसी लेनी है, इसका निर्णय कैसे करना चाहिए?

▪ राकेश कुमार

यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका मकसद क्या है? यानी आप किस लिए सेविंग कर रहे हैं। यदि बच्चे की पढ़ाई के लिए पैसा जमा करना मकसद है तो पॉलिसी उस समय मैच्योर होनी चाहिए, जब वह कॉलेज में प्रवेश लेगा। उसी तरह यदि आप किसी बड़े उद्देश्य जैसे रिटायरमेंट के लिए प्लान कर रहे हैं तो आपकी पेमेंट कंडीशन जितने लंबे समय के लिए होगी, उतनी अधिक बचत होगी।

मुझे किस उम्र में जीवन बीमा पॉलिसी लेनी चाहिए?

▪ अभिनव सिन्हा

आपको जितनी जल्दी हो सके, जीवन बीमा पॉलिसी लेनी चाहिए। इससे उतनी ही जल्दी आपकी आय भी शुरू हो जाएगी। आपको यह तब लेना चाहिए, जब आप युवा हैं, ताकि आपके परिवार का भविष्य सुरक्षित रहे। इससे आपको प्रीमियम भी कम चुकाना होगा। जीवन बीमा सह निवेश पॉलिसियों को जल्दी लेने से आपको अपने धन को बढ़ाने का ज्यादा से ज्यादा मौका मिलेगा। ध्यान रखें कि कम उम्र में जीवन बीमा लेना अच्छा है और यह प्रत्येक स्थिति में फायदेमंद रहता है।

जब निवेश के उद्देश्य से मैं जीवन बीमा खरीदता हूं तो मेरी मेडिकल हिस्ट्री क्यों जरूरी होती है?

▪ सुनील शर्मा

लाइफ कवर सभी बीमा उत्पादों की प्रमुख विशेषता है। बीमाकर्ता को मेडिकल हिस्ट्री जानना इसलिए जरूरी होता है ताकि आपके इंश्योरेंस कवरेज में कमी न रह जाए और अनहोनी की स्थिति में आपके परिजनों को पूरा क्लेम मिले।

बीमा-सह-निवेश (इंश्योरेंस-कम-इन्वेस्टमेंट) उत्पाद का क्या लाभ है?

▪ मोहित नरेश

मृत्यु होने की स्थिति में बीमा-सह-निवेश उत्पाद आपके परिवार के काम आता है, इससे एक कोष का निर्माण भी होता रहता है। यह आपकी दो तरह से मदद करता है- एक तो जल्दी मृत्यु होने पर आपके परिवार को बीमा मिलेगा। दूसरा, अगर आप पॉलिसी खत्म होने तक जी जाते हैं तो आपको पर्याप्त राशि मिल जाती है, जो रिटायरमेंट लाइफ में काम आएगी।

यूनिट लिंक्ड जीवन बीमा योजनाओं को जोखिम भरा क्यों माना जाता है?

▪ अजय वर्मा

जब आप यूलिप लेते हैं तो आपकी पॉलिसी में निहित राशि का मूल्य ऊपर और नीचे होता रहता है। इस उतार-चढ़ाव के कारण पॉलिसी में निहित निवेश राशि का मूल्य निश्चित नहीं रहता है। हालांकि इस अस्थिरता और जोखिम को कम करने के लिए आप पॉलिसी में निहित निवेश राशि में बदलाव कर सकते हैं। आपको यह आइडिया अच्छा नहीं लगता है तो आप पारंपरिक प्लान का चयन करें, जिसमें रिटर्न निश्चित रहता है।

मुझे अपनी बीमा राशि की समीक्षा समय-समय पर क्यों करना चाहिए। इससे क्या फायदे हैं?

▪ राकेश त्यागी

आपकी लाइफ कवर आपकी आय और आपकी पारिवारिक जिम्मेदारियों के हिसाब से बदलती रहना चाहिए। यदि आपकी आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों में वृद्धि हुई है तो लाइफ कवर भी बढ़ना चाहिए, क्योंकि आपका बीमा न सिर्फ आपको, बल्कि आपके परिवार को भी कवर करता है। इसलिए हमें अपनी बीमा राशि की समीक्षा समय-समय पर करते रहना चाहिए। इससे किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता, यह किसी न किसी रूप में फायदेमंद ही होता है। याद रखें आपका परिवार आपके ही भरोसे है।

क्या मैं अपनी पॉलिसी परिपक्व होने से पहले उसमें से रुपया निकाल सकता हूं?

▪ विक्रम खुराना

हां, कई पॉलिसी में यह विकल्प होता है कि आप उसके परिपक्व होने से पहले उसमें से कुछ हिस्सा निकाल सकते हैं। यदि आपको तुरंत केश की जरूरत है तो आप राशि निकल सकते हैं। ऐसी स्थिति में आपकी पॉलिसी में जो रुपया बचा हुआ है, वह निवेश के लिए तब तक लगा रहेगा, जब तक पॉलिसी परिपक्व नहीं हो जाती। इस तरह से आपकी वक्त पर जरूरत पूरी हो जाएगी और आपकी पॉलिसी भी बनी रहेगी। इसमें भी एक निश्चित राशि ही आप निकाल सकते हैं। हालांकि हमेशा यह एक अच्छा उपाय नहीं है, खासतौर पर पॉलिसी लेने के कुछ वर्षों में ही। यदि आपको कोई बहुत ज्यादा ही जरूरत आ गई हो, तो ऐसी स्थिति में यह प्रक्रिया करें। कोशिश करें कि ऐसी स्थिति आने ही न दें।

FACTS & FIGURE

भारत में जीवन बीमा की पेशकश करने वाली पहली कंपनी 1818 में कलकत्ता में स्थापित हुई थी।

अमेरिका में तकरीबन 61 प्रतिशत पुरुष और 57 प्रतिशत महिलाएं किसी न किसी प्रकार का जीवन बीमा लेते हैं।

भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना 1956 में हुई थी। इसका मुख्यालय मुंबई में है।